



जीआई-टैग विरासत का संरक्षण, चन्नापटना के खिलौना कारीगरों की अगली पीढ़ी का सशक्तिकरण।

IMEDF INSIGHTS

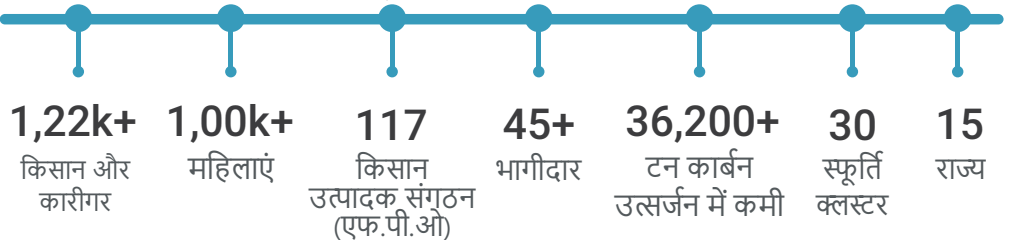
Indian Micro Enterprises Development Foundation

...उद्यमशीलता की संभावना

जीआई टैग की गई भारतीय राज्यों की हस्तशिल्प वस्तुओं का संरक्षण

आईएमडीएफ, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स ग्रुप का एक स्पेशल पर्पस व्हीकल एवं सेक्शन ८ कंपनी है। इसके प्रमुख कार्यक्षेत्र हैं – प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सर्विसेज, एंटरप्राइज सपोर्ट सर्विसेज और कैपेसिटी बिल्डिंग फॉर मल्टिप्लिकेशन।

हमारी उपलब्धियां



सुरक्षित परिवहन के माध्यम से बदलाव: सीतापुर में 22 महिलाओं ने पूरा किया ई-रिक्शा उद्यमिता प्रशिक्षण

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, 7-दिवसीय ई-रिक्शा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन सीतापुर जिले में 30 जून से 6 जुलाई 2026 तक किया गया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI) के सहयोग से। इस कार्यक्रम ने 22 इच्छुक महिला उद्यमियों को तकनीकी ज्ञान, सड़क सुरक्षा जागरूकता और उद्यमशीलता कौशल से सुसज्जित किया, जो ई-रिक्शा को आत्मविश्वास के साथ चलाने और स्वरोजगार के अवसर अपनाने के लिए आवश्यक हैं।

समापन समारोह की शोभा बढ़ाई मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) और उप जिलाधिकारी (डीसी) ने मुख्य अतिथि के रूप में, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए। उनके प्रोत्साहन भरे शब्दों ने महिला-नेतृत्व वाली उद्यमिता के महत्व को रेखांकित किया और गैर-पारंपरिक आजीविका मार्ग अपनाने में प्रशिक्षुओं के दृढ़ संकल्प को सराहा।

यह पहल सेफ मोबिलिटी प्रोटोटाइप का हिस्सा है, जिसकी परिकल्पना और पोषण डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के सस्टेनेबल एंटरप्रेन्योरशिप ग्रुप (एसईजी) द्वारा किया गया है। यह प्रोटोटाइप महिलाओं को सुरक्षित, आत्मविश्वासी और आर्थिक रूप से स्वतंत्र ई-रिक्शा उद्यमी बनाकर एक स्थायी और समावेशी परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करता है, साथ ही ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ परिवहन समाधानों में योगदान देता है। रणनीतिक साझेदारियों, क्षमता निर्माण और बाजार संपर्कों के माध्यम से, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स यह प्रदर्शित कर रहा है कि किस तरह हरित परिवहन आजीविका सृजन, लैंगिक समावेशन और स्थानीय आर्थिक विकास के लिए उत्प्रेरक बन सकता है।

अगले चरण के रूप में, आरसेटी सभी प्रशिक्षित महिलाओं का पंजीकरण करवाएगा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत, जिससे उन्हें ई-रिक्शा खरीदने और स्थायी सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता और सरकारी समर्थन प्राप्त हो सकेगा। इस निरंतर सहयोग से प्रशिक्षण से उद्यम तक उनके परिवर्तन में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि सेफ मोबिलिटी प्रोटोटाइप महिलाओं और उनके समुदायों के लिए स्थायी सामाजिक-आर्थिक प्रभाव प्रदान करे।



सीतापुर में प्रमाण पत्र वितरण समारोह में जिला अधिकारियों के साथ महिला ई-रिक्शा प्रशिक्षुओं का सातक बैच।

फील्ड इनसाइट्स: पूर्वोत्तर भारत में मशरूम- आधारित ग्रामीण उद्यमों को आगे बढ़ाना

नवाचारी आजीविका और उद्यम विकास के अवसरों की पहचान करने के प्रयासों के तहत, आईएमईडीएफ ने मशरूम खेती पारिस्थितिकी तंत्र और उभरते तकनीकी हस्तक्षेपों का अध्ययन करने के लिए असम और पूर्वोत्तर भारत में कई क्षेत्रीय दौरे किए। इन दौरों में मशरूम डेवलपमेंट फाउंडेशन, नवोदय फाउंडेशन, मां लक्ष्मी मशरूम एंटरप्राइज, हेलो मशरूम प्रोड्यूसर, बेंगशा मशरूम एंटरप्राइज और गुवाहाटी बायोटेक पार्क के साथ बातचीत शामिल थी। टीम ने स्थायी खेती पद्धतियों, कम लागत वाले बुनियादी ढांचे के मॉडलों, महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों और सामुदायिक उत्पादन प्रणालियों का अवलोकन किया, जो ग्रामीण क्षेत्रों में नई आय के अवसर पैदा कर रहे हैं।

चर्चाओं में उपज पूर्वानुमान, पर्यावरण निगरानी, रोग पहचान और सटीक कृषि प्रबंधन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) प्रौद्योगिकियों के एकीकरण पर भी विचार किया गया। इन दौरों ने मूल्यवर्धन, किसान एकत्रीकरण, चक्रीय अर्थव्यवस्था पद्धतियों और जैव प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार की महत्वपूर्ण संभावनाओं को उजागर किया। जलवायु परिवर्तनशीलता, संदूषण जोखिम, बुनियादी ढांचे की कमी और खंडित बाजार संपर्कों जैसी चुनौतियां बने रहने के बावजूद, निष्कर्ष मजबूत संस्थागत साझेदारियों और प्रौद्योगिकी-सक्षम समाधानों की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। यह पहल पूर्वोत्तर भारत में मापनीय, जलवायु-सहनशील मशरूम उद्यमों को विकसित करने के लिए मूल्यवान जानकारी प्रदान करती है, जो ग्रामीण आजीविका को मजबूत कर सकते हैं, महिला उद्यमिता को बढ़ावा दे सकते हैं और सतत आर्थिक विकास में योगदान दे सकते हैं।



असम के नलबाड़ी में मशरूम उत्पादक बेंगशा ऑर्गेनिक्स के साथ बातचीत



संबद्ध शहद उत्पादकों के लिए मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण

बीआर हिल्स वाइल्ड बी हनी क्लस्टर: वन के संरक्षक, जैव विविधता के रखवाले

कर्नाटक की बिलिगिरी रंगना हिल्स (बीआर हिल्स) में बसा बीआर हिल्स वाइल्ड बी हनी क्लस्टर, स्थानीय सोलिगा जनजाति को उनकी सदियों पुरानी शहद संग्रहण परंपरा को एक स्थायी, संरक्षण-आधारित उद्यम में बदलने के लिए सशक्त बना रहा है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की स्फूर्ति योजना के तहत आईएमईडीएफ के सहयोग से, यह पहल पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान को वैज्ञानिक संग्रहण पद्धतियों, आधुनिक सुरक्षा उपकरणों और समुदाय-स्वामित्व वाले प्रसंस्करण ढांचे के साथ जोड़ती है। लगभग 500 आदिवासी शहद संग्राहक बेहतर कौशल, मूल्यवर्धन और सामूहिक विपणन से लाभान्वित हो रहे हैं, जिससे वे बेहतर आय अर्जित करने के साथ-साथ जंगली मधुमक्खियों की आबादी और वन जैव विविधता की रक्षा भी कर पा रहे हैं। डॉ. मडेगौड़ा के मार्गदर्शन में श्री बिलिगिरी रंगास्वामी सोलिगारा संस्कार संघ सहकारी समिति के नेतृत्व में, यह क्लस्टर समुदाय-नेतृत्व वाले संरक्षण और उद्यम विकास का एक मॉडल बन गया है। नैतिक शहद संग्रहण विधियां मधुमक्खी कॉलोनियों को न्यूनतम नुकसान सुनिश्चित करती हैं, जिससे परागण, वन पुनर्जनन और बिलिगिरी रंगनाथस्वामी टाइगर रिजर्व में जलवायु सहनशीलता को समर्थन मिलता है। बाजार पहुंच को मजबूत कर, महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देकर, और पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान का संरक्षण कर, बीआर हिल्स वाइल्ड बी हनी क्लस्टर यह दर्शाता है कि जैव विविधता संरक्षण और समावेशी ग्रामीण आजीविका किस तरह साथ-साथ फल-फूल सकते हैं, जिससे जंगली शहद की हर बोटल स्थायी विकास और स्थानीय संरक्षकता का प्रतीक बन जाती है।

udyaME प्रोटोटाइप उत्तर प्रदेश भर में ग्रामीण उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रहा है

www.udyaME.in - सूक्ष्म उद्यमियों के लिए वन-स्टॉप समाधान

udyaME प्रोटोटाइप उत्तर प्रदेश भर में मजबूत स्थानीय उद्यम सहायता प्रणालियां बनाकर ग्रामीण उद्यमिता को सशक्त करना जारी रखता है। इस तिमाही के दौरान, 225 एंटरप्राइज फैसिलिटेशन सेंटर्स (EFCs) को उद्यम सहायता सेवाओं में प्रशिक्षित किया गया, जबकि 42 व्यवसाय योजना सह-निर्माण कार्यशालाओं और क्षमता निर्माण पहलों ने जमीनी स्तर के उद्यमियों को विचारों को व्यवहार्य उद्यमों में बदलने के लिए सशक्त बनाया। इस पहल ने 1,016 नए उद्यमों की स्थापना में मदद की, 2,417 मौजूदा उद्यमों को सहयोग दिया, 483 उद्यमियों को आय सृजन से स्थायी उद्यमों की ओर बढ़ने में सक्षम बनाया, और 102 महिलाओं को लखपति दीदी का लक्ष्य हासिल करने में मदद की। संस्थागत अभिसरण को भी 10 जिला उद्यमिता गठबंधनों (DECs), सात विभागीय अभिसरणों, 400 से अधिक बाजार संपर्कों और उद्यमियों के लिए जारी किए गए ₹67 लाख के वित्त के साथ गति मिली है। एक तीन-दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यक्रम ने उद्यम सहायता सेवाओं और सोशल इनोवेशन (SI) उपकरणों एवं प्रोटोटाइप के उपयोग पर EFC एंकरों की क्षमताओं को और बढ़ाया, जबकि मिर्जापुर में समर्पित EFC प्रशिक्षणों ने लामबंदी और मांग सृजन के प्रयासों को मजबूत किया। जिला उद्यमिता गठबंधनों के साथ EFCs और udyaME कियोस्क के एकीकरण ने सरकारी विभागों, वित्तीय संस्थानों और निजी क्षेत्र के भागीदारों के बीच मजबूत सहयोग पैदा किया है, जिससे उद्यमिता सहायता अधिक सुलभ और कारगर-उन्मुख हुई है। जैसे-जैसे यह पहल नए जिलों में विस्तार कर रही है, ध्यान DECs को संस्थागत बनाने, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर जुड़ाव को गहरा करने, बाजार पहुंच को मजबूत करने, ऋण संपर्कों में सुधार करने, और स्थायी एवं समावेशी आर्थिक विकास के लिए समुदाय-स्वामित्व वाले उद्यम पारिस्थितिकी तंत्रों को बढ़ाने पर केंद्रित है।



udyaME शिविरों में जानकारी प्राप्त करते EFC सदस्य

STAKEHOLDER'S VOICE

केस स्टोरी: मिथलेश – ग्रामीण उद्यम के माध्यम से आत्मविश्वास और सामूहिक शक्ति की खोज



प्रसंस्करण कार्य में संलग्न मिथलेश

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के बरौलिया गांव में, मिथलेश की यात्रा दर्शाती है कि किस तरह समुदाय-आधारित उद्यम कृषि से आगे बढ़कर ग्रामीण आजीविका को बदल सकते हैं। 38 वर्षीय किसान मिथलेश, खेती और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की SFURTI योजना के तहत स्थापित कॉमन फैसिलिटी सेंटर (CFC) में सक्रिय भागीदारी के साथ घरेलू जिम्मेदारियों को संतुलित करती हैं। नोडल एजेंसी के रूप में IMEDF के सहयोग से और CREATE द्वारा क्रियान्वित इस पहल ने महिलाओं और किसानों को प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और सामूहिक उद्यम गतिविधियों में विविधता लाने में सक्षम बनाया है। लगभग 500-600 किसानों के साथ काम करते हुए, मिथलेश ने देखा है कि महिलाएं आत्मविश्वास हासिल कर रही हैं, मशीनरी चला रही हैं, बैठकों में भाग ले रही हैं और घरेलू निर्णयों में योगदान दे रही हैं। खेती, प्रसंस्करण और CFC-आधारित कार्य के जरिए परिवार की मासिक आय लगभग ₹4,500 से बढ़कर लगभग ₹8,000 हो गई है, जिससे अधिक वित्तीय स्थिरता मिली है और मौसमी मजदूरी पर निर्भरता कम हुई है। जलभराव, सीमित फसल विविधता और कोविड-19 महामारी के दौरान बाजार में आई बाधाओं जैसी चुनौतियों के बावजूद, मिथलेश बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बाजार पहुंच के माध्यम से महिलाओं के लिए अवसर बढ़ाने को लेकर आशान्वित हैं। उनकी यात्रा दर्शाती है कि किस तरह पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित ग्रामीण उद्यम विकास स्थायी आजीविका को बढ़ावा दे सकता है, सामुदायिक भागीदारी को मजबूत कर सकता है, और महिलाओं को स्थानीय आर्थिक विकास के सक्रिय वाहक बनने के लिए सशक्त बना सकता है।

कैपेसिटी बिल्डिंग फॉर मल्टिप्लिकेशन

वीविंग इम्पैक्ट, एम्पोवरिंग कम्युनिटीज



वीविंग इम्पैक्ट, एम्पोवरिंग कम्युनिटीज एक तीन-दिवसीय गहन शिक्षण कार्यक्रम है, जो प्रतिभागियों को पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल के जीआई-टैग मटुरकाठी मैट शिल्प क्लस्टर का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करता है। कारीगरों के साथ बातचीत, कॉमन फैसिलिटी सेंटर की यात्रा, और सामूहिक उद्यमिता मॉडलों के संपर्क के माध्यम से, प्रतिभागियों को स्थायी ग्रामीण आजीविका, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और विरासत-आधारित उद्यम विकास की मूल्यवान जानकारी मिलेगी। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध पटचित्र क्लस्टर की यात्रा और एक तटीय भ्रमण भी शामिल है, जो इसे शिक्षा, संस्कृति और सामुदायिक जुड़ाव का एक अनूठा मिश्रण बनाता है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

rthapar@devalt.org/sbhattacharya1@devalt.org

फाइनेंसिंग ग्रोथ: अनलॉकिंग कैपिटल, कन्वर्जेन्स & एंटरप्राइज एक्सपेंशन

फाइनेंसिंग ग्रोथ: अनलॉकिंग कैपिटल, कन्वर्जेन्स & एंटरप्राइज एक्सपेंशन के द्वार खोलना एक आगामी वेबिनार है, जो उद्यमियों, उत्पादक समूहों और विकास पेशेवरों को ग्रामीण उद्यमों को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक रणनीतियों से लैस करने हेतु तैयार किया गया है। इस सत्र में विविध वित्तपोषण अवसरों, सरकारी योजनाओं के साथ अभिसरण, और प्रभावी पूंजी संग्रहण के माध्यम से उद्यम विकास को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। क्षेत्र विशेषज्ञों और पेशेवरों को एक साथ लाकर, यह वेबिनार ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और प्रतिभागियों को मजबूत, निवेश-तैयार उद्यम बनाने में सक्षम बनाने का लक्ष्य रखता है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

rthapar@devalt.org/sbhattacharya1@devalt.org



सोशल मीडिया
पर हमें फॉलो करें

@imedf_delhi

@imedf

संपादकीय टीम: श्रृष्टान्त पटारा, कनिका वर्मा, कर्नल रमन थापर

लेखिका: सृष्टि भट्टाचार्य | डिजाइन: गरिमा गर्ग

अधिक जानकारी के लिए हमसे संपर्क करें:

rthapar@devalt.org/sbhattacharya1@devalt.org



VISIT US ON www.imedf.in

